क्या मानव पृथ्वी पर अवतरित हुआ था या फिर आदि मानव से आधुनिक मानव में बदलाव हुआ?

डॉ विभूति भूषण
सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

SNSRKS, कॉलेज सहरसा

धर्म ग्रंथों की बात करें तो विभिन्न धर्म ग्रंथों में मानव के विभिन्न तरह से अवतरित होने के प्रमाण मिलते है लेकिन इसके वैज्ञानिक साक्ष्य न होने के कारण इन्हें मान्यता प्राप्त नहीं है|

मानव का इस पृथ्वी पर अस्तित्व मानव उदविकास का परिणाम है| जीव विज्ञान के अनुसार पृथ्वी पर मानव सहित सभी जीवों का विकास क्रमिक रूप से हुआ है| चार्ल्स डार्विन का सिद्धांत, प्राकृतिक चयन का सिद्धांत (Theory of natural selection), प्रजातियों की उत्पत्ति (Origin of species) तथा योग्यतम उत्तरजीवता (Survival of the fittest) के सिद्धांत को अन्य जीवों के साथ-साथ मानव पर भी लागू किया जाता है|

अतः पृथ्वी पर मानव जाति सीधा अवतरित नहीं हुआ है बल्कि अपने पूर्ववर्ती जीव रूपों से उदविकास के फलस्वरूप उसके वर्तमान स्वरूप का निर्माण हुआ है| 1859 में चार्ल्स डार्विन की पुस्तक 'Origin of species' में दिए गये तर्क के सामने आने के बाद मानव को उदविकास का परिणाम मान लिया गया|

तमाम प्रयोगों के बाद यह प्रमाणित हो चुका है की 20 लाख से 1000 BC के बीच प्राइमेट्स से मानव का विकास हुआ है| 20 लाख ई.पू. प्राइमेट्स (सुपर फैमली) से दो शाखाओं के रूप में मानव एवं चिम्पैंजी, गोरिल्ला आदि का विकास हुआ|

प्राइमेट्स (सुपर फैमली) की एक शाखा होमोनिडे (Hominidae) के रूप में विकसित होते हुए 10,000 BC पूर्व तक होमोसेपियंस (मानव) में परिणत हो गया जबकि प्राइमेट्स (सुपर फैमली) की दूसरी शाखा पोगिंडे (pongidae) का रूपांतरण चिम्पैंजी (chimpanzee), गोरिल्ला (Gorilla), गिबन (Gibbon), आरंगुटान (Orangutan) में हो गया|

सुपर फैमली से होमिनिडे शाखा के रूप विकसित होते हुये आदि मानव का आधुनिक मानव में बदलाव हुआ| समय के साथ मानव की मस्तिष्क क्षमता के साथ ही शारीरिक संरचना में वृद्धि होती गई| आदि मानव से आधुनिक मानव के मस्तिष्क क्षमता को निम्न सारणी में देखा जा सकता है.

क्रम	मानव	मस्तिष्क क्षमता
1.	ऑस्ट्रेलोपिथिकस	450-500 cc
2.	होमो हैबिलस	500-700 cc
3.	होमो इरेक्टस	850-1200 cc
4.	नियंडरथल	1200-1400 cc
5.	होमोसेपियंस	1400-1600 cc

आदि मानव का आधुनिक मानव में बदलाव को समझने की दिशा में मानव के विकास क्रम एवं विभिन्न आदि मानवों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी इस प्रकार है:

1. ऑस्ट्रेलोपिथिकस (australopithecus) –ऑस्ट्रेलोपिथिकस (australopithecus) प्रथम उपकरण निर्माता मनुष्य था. इसकी मस्तिष्क की क्षमता (brain capacity) 450-500 cc थी| इसके बाद के मानव मस्तिष्क की क्षमता में क्रमशः और वृद्धि होती गई|

2. होमो हैबिलस (homo habilis) –होमो हैबिलस (homo habilis) का मस्तिष्क की क्षमता 500-700 cc थी| यह केवल दक्षिण पूर्व अफ्रीका में स्थित था|

3. होमो इरेक्टस (homo erectus)- थोड़ी और अधिक विकसित मस्तिष्क वाले होमो इरेक्टस (homo erectus) ने सर्वप्रथम कुल्हारी का निर्माण किया| इसकी मस्तिष्क की क्षमता 850-1200 cc था| उसने आग का भी प्रयोग करना प्रारम्भ किया और अफ्रीका के बाहर यूरोप, एशिया आदि में फ़ैल गया|

4. नियंडरथल (neanderthal) –होमोइरेक्टस के बाद के मानव नियंडरथल (neanderthal) का मस्तिष्क 1200-1400 cc था| वह भारी-भरकम शरीर वाला था तथा कर्मकांड आदि का प्रदर्शन करने लगा था| नियंडरथल ने शवों को दफनाना प्रारम्भ किया|

5. होमोसेपियंस (homo sapiens) –नियंडरथल के बाद मानव का विकास होमोसेपियंस (homo sapiens) के रूप में हुआ| यह सर्वाधिक आधुनिक मानव था| यह उच्चतर भाषा का प्रयोग करने लगा तथा इसे कलाकार मनुष्य माना गया|

आदि मानव का आधुनिक मानव में बदलाव के विकास के क्रम में उसके जींस में भी लगातार परिवर्तन होते रहे. उसकी कपाल धारिता (Skull capillary) में विस्तार हुआ| शारीरिक लक्षण उभरते गये तथा समय के साथ बौद्धिक तथा कलात्मक प्रतिभा का विकास होता गया| परिणामस्वरूप मानव में भाषा, संचार, कला, विज्ञान, दर्शन तथा संस्कृति आदि तत्वों का विकास हुआ|

मानव उदविकास के संबंध में विसरण का सिद्धांत (Theory of diffusion) भी दिया जाता है| इसके अनुसार पृथ्वी पर मानव का प्रारम्भिक विकास अफ्रीका में हुआ तथा वही से मानव प्रजाति पूरी दुनिया में फैली| अफ्रीका के रिफ्ट घाटी में ओल्डवाईगार्ज (तंजानिया) तथा तुरकाना झील (केन्या) आदि स्तरों से प्रारम्भिक मनुष्य के जीवाश्म तथा पाषाण उपकरण प्राप्त हुए है|